चित्रों में कहानी

बार-कोडिंग

विद्या और राजाराम शर्मा

इस कहानी के फोटोग्राफ मैसूर जिले की हाडिनारू झील में, फरवरी 2020 में लिए गए थे.

संभव है कि ये चित्र पक्षियों का वास्तविक आकार न दिखाएं.

BY NC SA

BAR CODING published by VIDYA ONLINE is licensed under a Creative Commons Attribution-NonCommercial-ShareAlike 4.0 Unported License (https://creativecommons.org/licenses/by-nc-sa/4.0/)

Permissions beyond the scope of this license may be available at admin@vidyaonline.org

http://vidyaonline.net

बार-कोडिंग

विद्या और राजाराम शर्मा

हिंदी : अरविन्द गुप्ता

Vidya Online
A PARTNERSHIP FOR TEACHERS, CHILDREN AND EDUCATION

वे कौन हैं?

देखो वे कैसे आ रहे हैं!

उनकी चीख जोर पकड़ रही है, और उनके आगमन का सन्देश दे रही है.

मैं आसमान में टकटकी लगाए,

उन पर नज़र रखे हूँ

वे लाइनों में आते हैं,

या फिर कुछ विशेष आकारों में

ग्लाइड करके,

वे एक ओर फिसलकर

अपनी ऊंचाई कम करते हैं

पंख फैलाकर, वे उतरने की तैयारी करते हैं,

पांव पसारे,

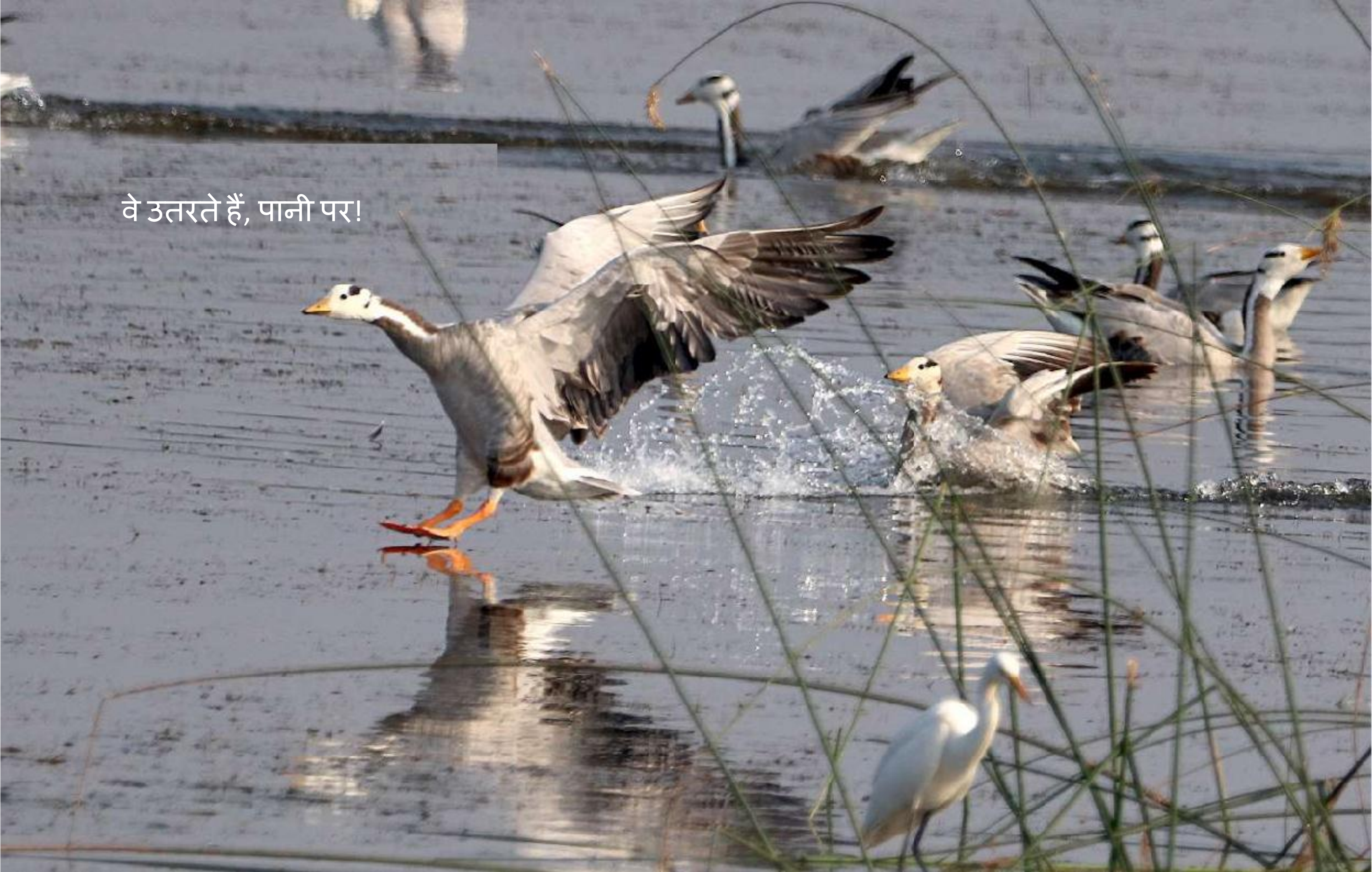

वे उतरते हैं, पानी पर!

छ़पाक से!

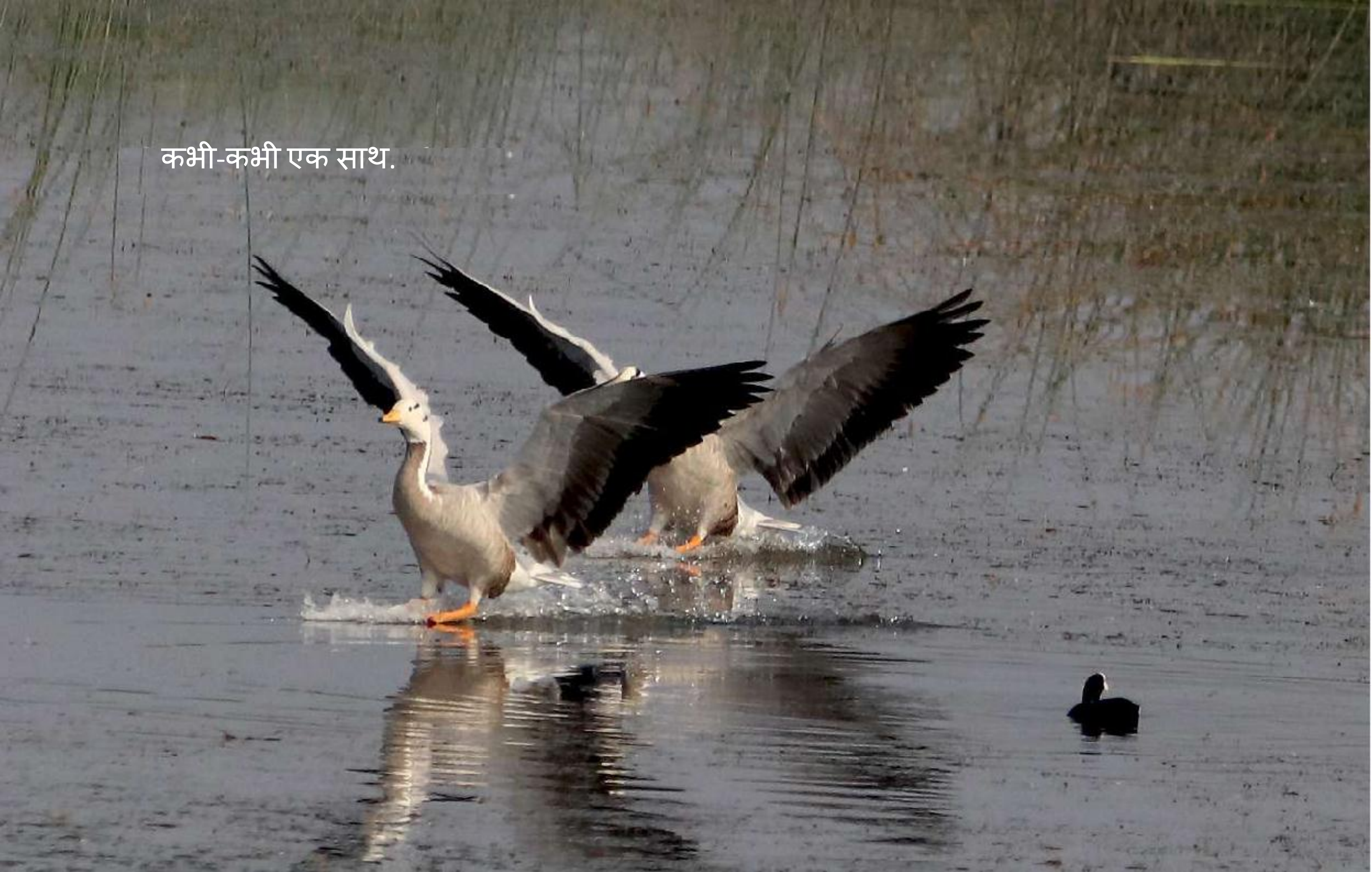

कभी-कभी एक साथ.

बड़े नियंत्रण और सुंदर ढंग से!
स्थानीय पक्षियों को परेशान किए बिना.

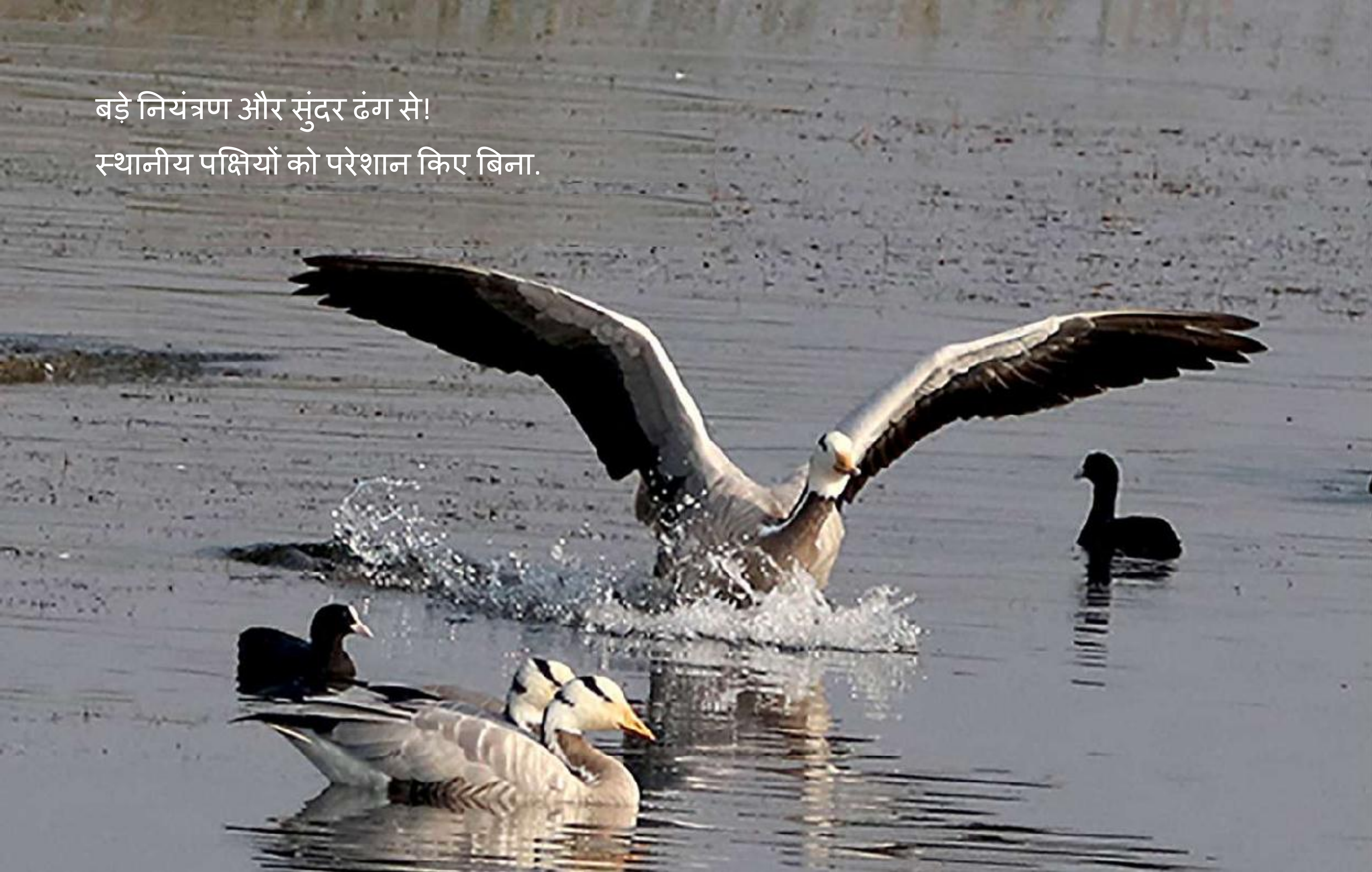

एक साथ झुंड में,

थोड़ी देर धूप सेंककर,

अपने सिर को पंखों में छिपाने से पहले...

या बड़े समूहों में शामिल होने से पहले.

फिर वे उस दिन का काम ख़त्म करते हैं.

उसके बाद वो पूरे दिन आराम फरमाते हैं, शाम तक ...

और फिर समय आता है,

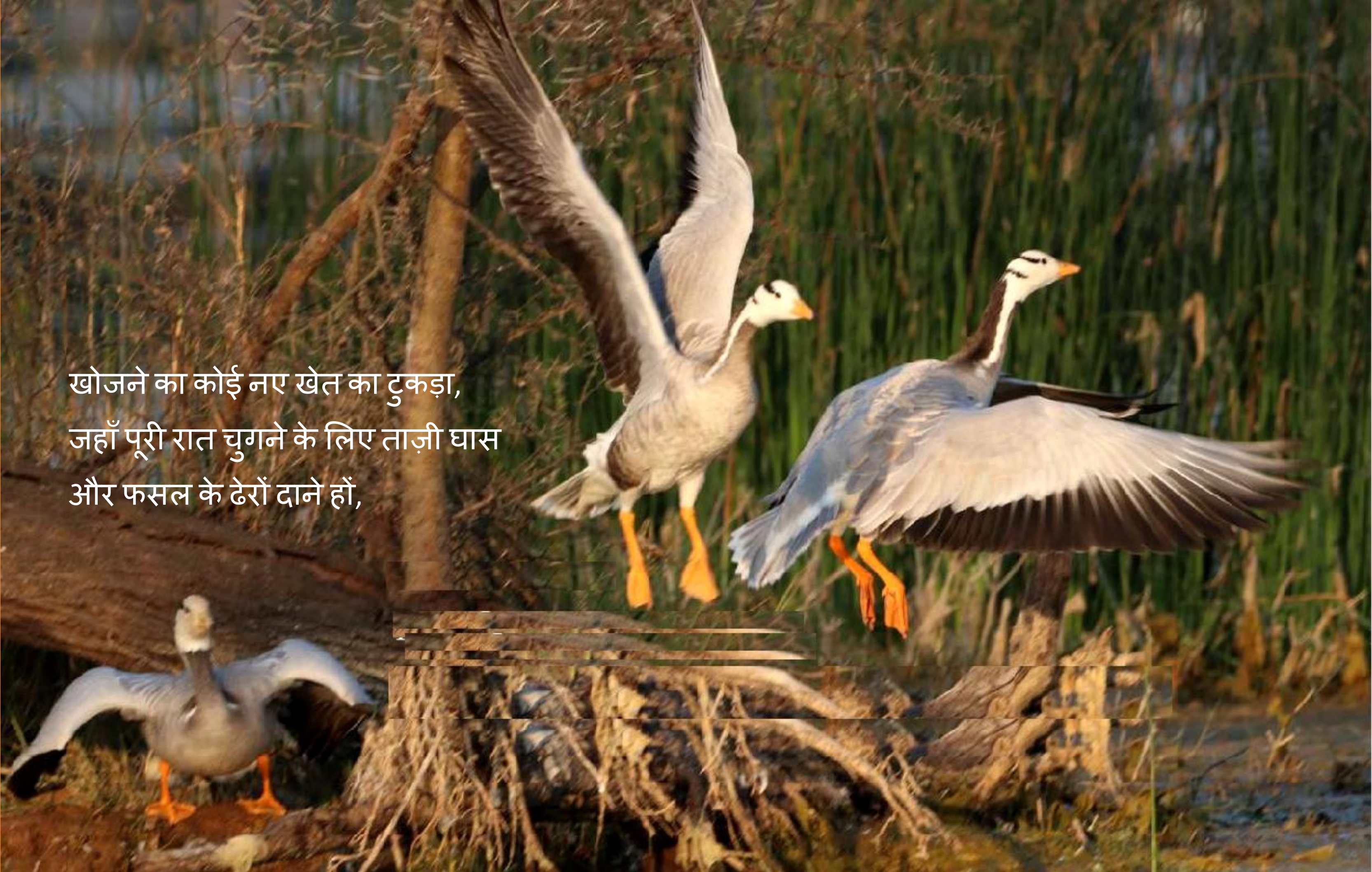

खोजने का कोई नए खेत का टुकड़ा,
जहाँ पूरी रात चुगने के लिए ताज़ी घास
और फसल के ढेरों दाने हों,

उनका नाश्ता सुबह 8.30 तक ज़ारी रहता है!
वे कौन हैं?
अरे! वे कौन हैं?

वे विशाल पंखों वाले!

सुंदर सिलेटी पक्षी!

काली नोक वाली, नारंगी चोंच है जिनकी,

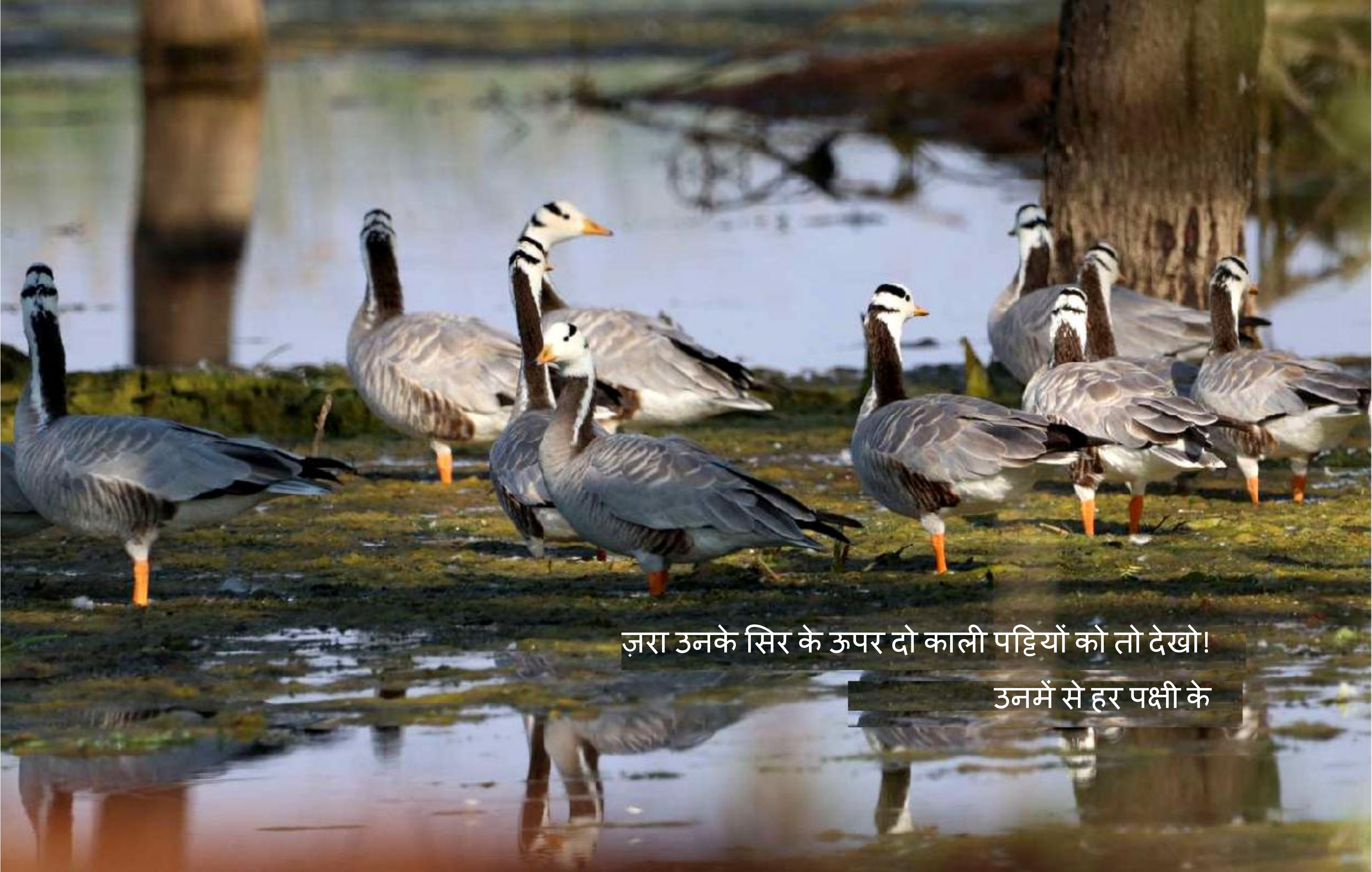

ज़रा उनके सिर के ऊपर दो काली पट्टियों को तो देखो!

उनमें से हर पक्षी के

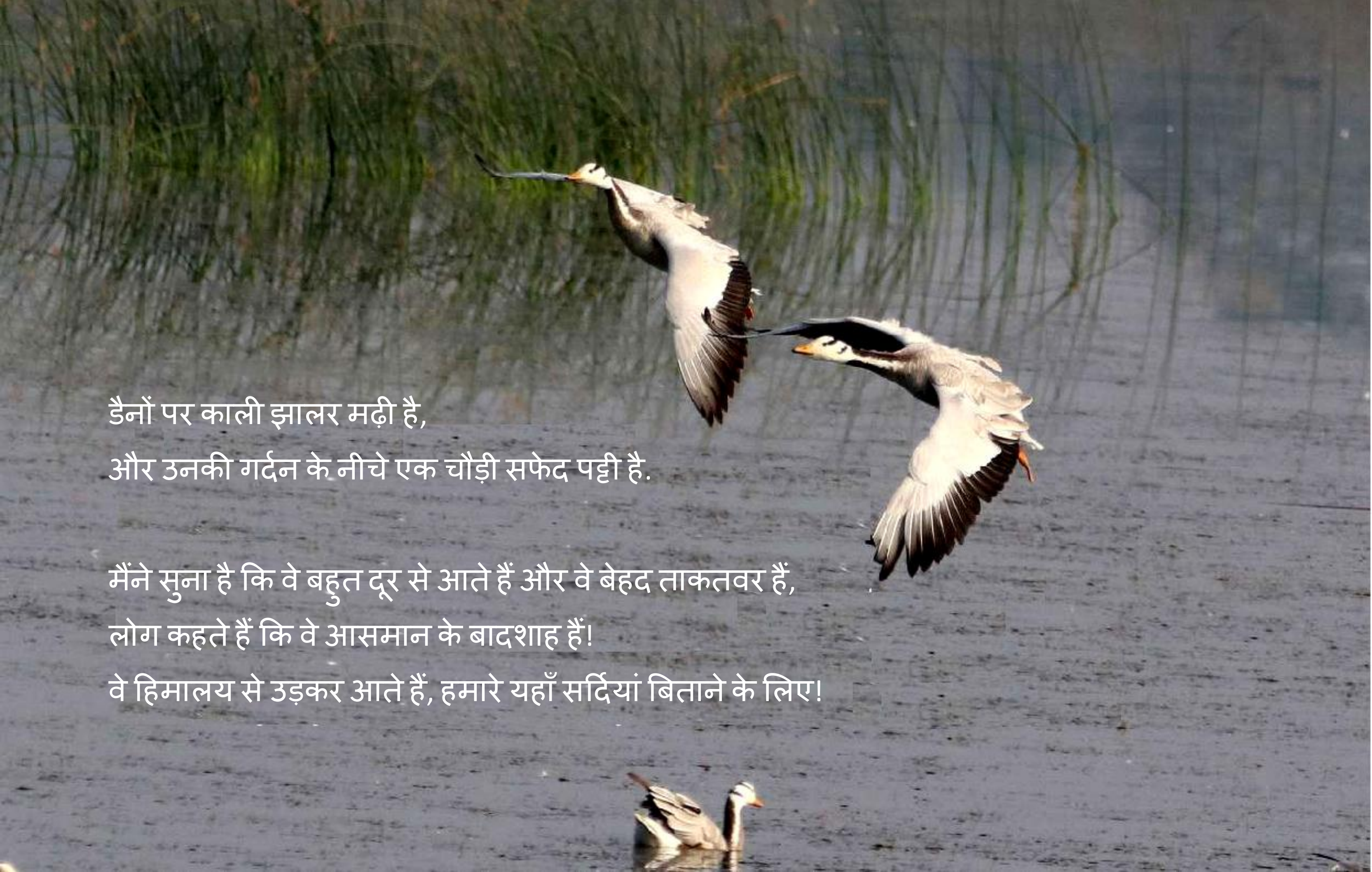
डैनों पर काली झालर मढ़ी है,
और उनकी गर्दन के नीचे एक चौड़ी सफेद पट्टी है.
मैंने सुना है कि वे बहुत दूर से आते हैं और वे बेहद ताकतवर हैं,
लोग कहते हैं कि वे आसमान के बादशाह हैं!
वे हिमालय से उड़कर आते हैं, हमारे यहाँ सर्दियां बिताने के लिए!

क्योंकि अब गर्मियां आ रही हैं इसलिए वे जल्द ही चले जाएंगे. अपने घरों में वापस - तिब्बत, चीन या मंगोलिया में.

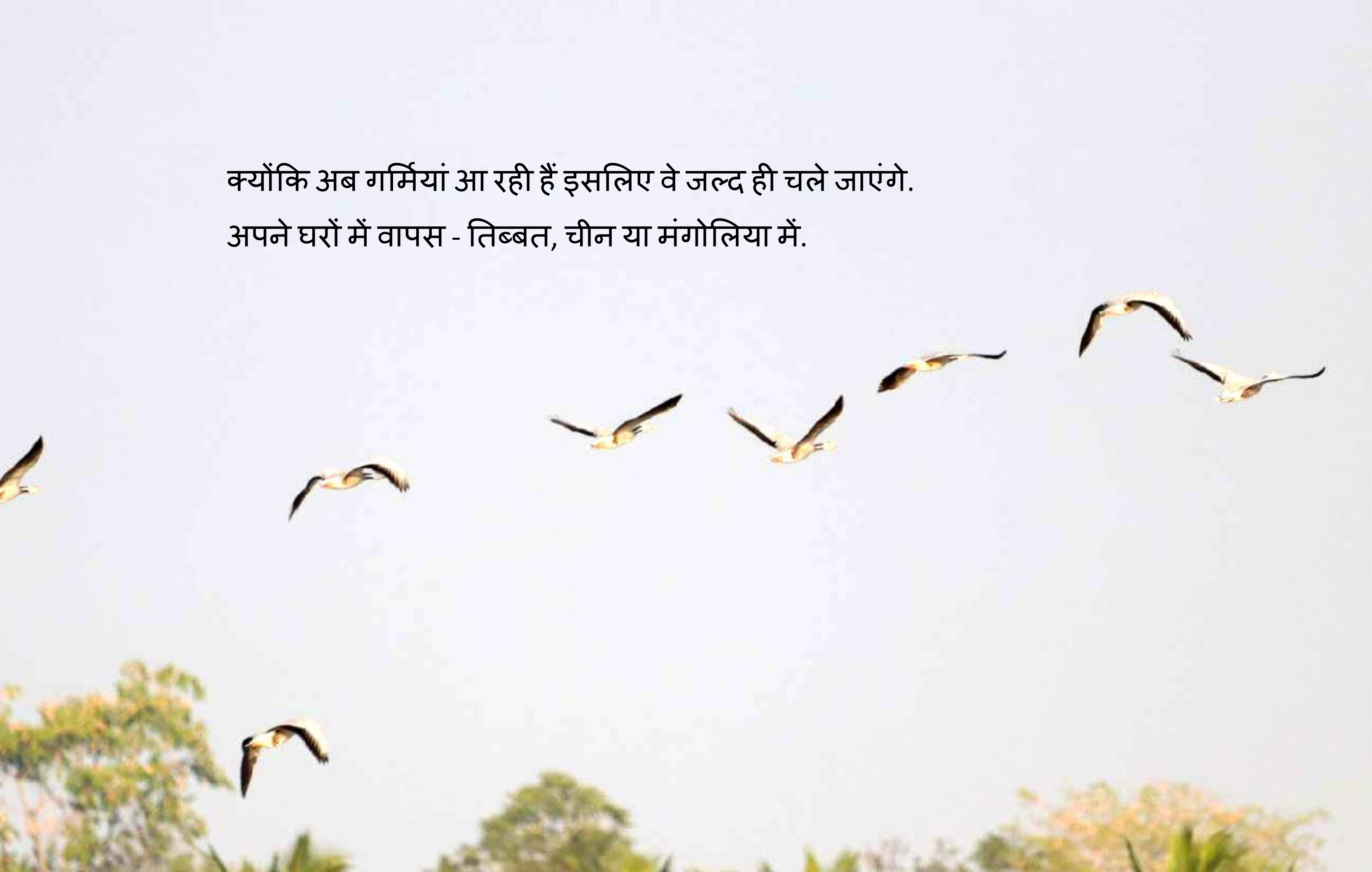

उन खूबसूरत मेहमानों को देखो.

उनके नारंगी पैरों को देखो.

उन्हें देखकर मुझे घरेलू बत्तखों की याद आती है.

अरे! वे कौन हैं?

मैं उनके बारे में ज़रूर पता करूंगी! तब तक उन बत्तखों को

मैं बार-हेडेड गीज़ बुलाऊंगी.

Vidya Online

A PARTNERSHIP FOR TEACHERS, CHILDREN AND EDUCATION

Visit http://vidyaonline.net for more titles